डॉ. शिवानन्द नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग (चमोली)

मोनाल

ई-पत्रिका

अंक - 11 पृष्ठ - 11 जुलाई-सितम्बर 2025

नमामि गंगे परियोजना में हरेला सप्ताह के अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित

22 जुलाई, 2025

"हरेला" उत्तराखंड का एक पारंपरिक पर्यावरण पर्व है जो वर्षा ऋतु की शुरुआत और हरियाली के स्वागत का प्रतीक है। पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से इस अवसर पर पौधरोपण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में नमामि गंगे अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय में हरेला सप्ताह के उपलक्ष्य में 22 जुलाई 2025 को एक विशेष पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता बढ़ाना, गंगा नदी के तटीय क्षेत्र में हरियाली को बढ़ावा देना तथा छात्रों को प्रकृति के प्रति जिम्मेदार बनाना है। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. वी. एन. खाली ने पौधरोपण कर किया। इस अवसर पर नमामि गंगे के नोडल अधिकारी कीर्तिराम डंगवाल, डॉ. मदन शर्मा, और महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभिन्न प्रजातियों के वृक्ष जैसे आंवला, अमरूद, तेजपत्ता, गुलमोहर आदि के लगभग 20 पौधे महाविद्यालय परिसर और समीपवर्ती गंगा तट पर लगाए गए।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकों, छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी ने अपने हाथों से पौधे लगाए और उनके संरक्षण की शपथ ली। प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति की जीवनधारा है। इसके संरक्षण के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। प्राचार्य ने छात्रों को वृक्षों की देखभाल करने और हर साल कम से कम एक पौधा मां के नाम लगाने का संकल्प दिलाया। हरेला सप्ताह के अंतर्गत यह कार्यक्रम न केवल वृक्षारोपण का कार्य था, बल्कि यह एक पर्यावरणीय चेतना का महायज्ञ भी था। नमामि गंगे जैसे अभियानों से जुड़े ऐसे कार्यक्रम युवाओं को प्रकृति के संरक्षण हेतु प्रेरित करते हैं और गंगा जैसे पवित्र नदी की स्वच्छता एवं हरियाली बनाए रखने में योगदान देते है।

महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए आयोजित हुआ ओरिएंटेशन कार्यक्रम

04 अगस्त, 2025

महाविद्यालय में वाणिज्य विभाग द्वारा बी.कॉम. प्रथम सेमेस्टर के नवप्रवेशित छात्रों के लिए एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को महाविद्यालय की शैक्षणिक प्रक्रिया, विभागीय कार्यप्रणाली और पाठ्यक्रम से संबंधित जानकारी देना था।

कार्यक्रम की शुरुआत वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ. हरीश चंद्र रतूड़ी के संबोधन से हुई। उन्होंने छात्रों को कॉलेज जीवन की उपयोगिता, अनुशासन और आत्मविकास के महत्व के बारे में बताया। डॉ. रतूड़ी ने कहा कि कॉलेज जीवन केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण की एक महत्वपूर्ण प्रयोगशाला है। इसके बाद, विभाग के अन्य प्राध्यापकों ने छात्रों को पाठ्यक्रम संरचना, परीक्षा प्रणाली, आंतरिक मूल्यांकन, समय प्रबंधन, कक्षा संचालन और शैक्षणिक संसाधनों के उपयोग पर विस्तार से जानकारी दी। छात्रों ने कार्यक्रम के दौरान कई सवाल पूछे, जिनका उत्तर प्राध्यापकों ने सहजता से और विस्तार से दिया, जिससे विद्यार्थियों को अपनी पाठ्यक्रम से संबंधित शंकाओं का समाधान मिला और उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हुई। इस अवसर पर वाणिज्य विभाग के समस्त प्राध्यापक डॉ. रविन्द्र कुमार, डॉ. नेतराम, सुश्री हिना नौटियाल और डॉ. तरुण कुमार भी उपस्थित रहे। इस ओरिएंटेशन कार्यक्रम ने नवप्रवेशित छात्रों को उनके शैक्षणिक सफर के लिए एक स्पष्ट दिशा और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान की। कार्यक्रम के अंत में छात्रों ने इसे अत्यंत लाभकारी और प्रेरणादायक बताया, और अपने शैक्षिक जीवन में सफलता की दिशा में यह पहला कदम मानते हुए आशा व्यक्त की कि यह मार्गदर्शन उन्हें आगे बढ़ने में मदद करेगा।

महाविद्यालय में उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत का आगमन — प्राध्यापकों व छात्रों से संवाद, 'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम में किया वृक्षारोपण

05 अगस्त, 2025

प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं के साथ संवाद किया और उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए किए जा रहे विभागीय प्रयासों की जानकारी साझा की। उनके साथ कर्णप्रयाग के विधायक अनिल नौटियाल एवं उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. वी. एन. खाली भी उपस्थित रहे।

महाविद्यालय पहुंचने पर प्रभारी प्राचार्य डॉ. अखिलेश कुकरेती और उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. वी. एन. खाली ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में छात्र-छात्राओं और प्राध्यापकों ने मंत्री एवं अतिथियों के स्वागत में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

संवाद सत्र के दौरान डॉ. धन सिंह रावत ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार लाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के महाविद्यालयों में बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ किया जा रहा है, साथ ही नई शैक्षिक योजनाओं को तेजी से लागू किया जा रहा है, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ रोजगारोन्मुखी अवसर भी प्राप्त हो सकें। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपनी शिक्षा को केवल डिग्री प्राप्ति तक सीमित न रखें, बल्कि इसे समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का माध्यम बनाएं।

उच्च शिक्षा मंत्री ने प्राध्यापकों से संवाद के दौरान उनकी समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं को भी गंभीरता से सुना। उन्होंने विभागीय स्तर पर शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए शीघ्र कदम उठाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की भूमिका शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ के समान है, इसलिए उनके सुझाव और अनुभव नीति निर्माण में अहम स्थान रखते हैं।

इस अवसर पर मंत्री ने महाविद्यालय में चल रही विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों और अधोसंरचनात्मक व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि कर्णप्रयाग महाविद्यालय जैसे संस्थान पर्वतीय क्षेत्रों में उच्च शिक्षा के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, इसलिए इनके विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

कार्यक्रम के अंत में उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने महाविद्यालय परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी जरूरत है, और इस दिशा में शिक्षा संस्थानों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। वृक्षारोपण के माध्यम से न केवल पर्यावरण को संरक्षित किया जा सकता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और हरित भविष्य का निर्माण भी संभव है।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, छात्र-छात्राएँ एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ। मंत्री डॉ. रावत के इस दौरे से छात्रों और शिक्षकों में नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार हुआ तथा महाविद्यालय परिवार ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए अपने संकल्प को और मजबूत किया।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में कर्णप्रयाग महाविद्यालय में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

14 अगस्त 2025

महाविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को स्वतंत्रता संग्राम के लंबे संघर्ष से परिचित कराना एवं उनमें राष्ट्रीय चेतना का संचार करना था। इस प्रतियोगिता में कुल 26 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। परिणामस्वरूप सुनील सिंह, (एम. ए. तृतीय सेमेस्टर इतिहास) ने प्रथम, ऋषभ थपलियाल (बी ए पंचम सेमेस्टर) ने द्वितीय और अमीषा (बी.एससी. पंचम सेमेस्टर) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का आयोजन इतिहास विभाग की प्राध्यापिका श्रीमती स्वाति सुन्दरियाल एवं भौतिक विज्ञान विभाग के प्राध्यापक श्री कमल किशोर द्विवेदी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ मदन शर्मा ने किया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. अखिलेश कुकरेती ने विजेताओं को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। महाविद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की।

“हर घर तिरंगा, हर घाट तिरंगा” रैली का भव्य आयोजन — स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर महाविद्यालय में गूँजी देशभक्ति की भावना

14 अगस्त 2025

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग में “हर घर तिरंगा, हर घाट तिरंगा” रैली का भव्य और प्रेरणादायी आयोजन किया गया। यह रैली महाविद्यालय की एन.सी.सी., एन.एस.एस., रोवर्स-रेंजर्स इकाइयों तथा नमामि गंगे के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और आम नागरिकों में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान, देशभक्ति की भावना और राष्ट्र की एकता व अखंडता का संदेश प्रसारित करना था।

रैली का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. अखिलेश कुकरेती ने किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि “स्वतंत्रता दिवस हमारे लिए केवल एक राष्ट्रीय पर्व ही नहीं, बल्कि एक भावनात्मक क्षण भी है, जब हम अपने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान को याद करते हैं। तिरंगा हमारे देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह इसे सम्मानपूर्वक धारण करे और इसकी गरिमा को बनाए रखे।”

रैली महाविद्यालय प्रांगण से आरंभ होकर सेवित क्षेत्र देवतोली बैंड तक उत्साहपूर्वक निकाली गई। छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने हाथों में तिरंगा लिए जोशपूर्ण नारे लगाए, जिससे पूरा क्षेत्र देशभक्ति के रंग में रंग गया। स्थानीय नागरिकों ने भी रैली में उत्साहपूर्वक सहभागिता दिखाई और प्रतिभागियों का स्वागत किया। रैली ने पूरे क्षेत्र में राष्ट्रीय एकता और गर्व का वातावरण निर्मित किया।

रैली से पूर्व महाविद्यालय में निर्वाचन साक्षरता क्लब और नमामि गंगे इकाई की ओर से एक भाषण सभा का आयोजन भी किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्रों ने स्वतंत्रता संग्राम, नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों, तथा राष्ट्रीय एकता पर अपने विचार प्रभावशाली और जोशपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किए। भाषण प्रतियोगिता में पल्लवी ने प्रथम स्थान, दिया ने द्वितीय स्थान और मनीष ने तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। विजेताओं को महाविद्यालय प्रशासन द्वारा सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकगण, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एन.सी.सी. प्रभारी डॉ. नरेंद्र पंघाल, एन.एस.एस. प्रभारी डॉ. चन्द्रावती टम्टा, डॉ. हिना नौटियाल, डॉ. चंद्रमोहन जनस्वाण, रोवर्स-रेंजर्स प्रभारी डॉ. हरीश रतूड़ी, डॉ. शीतल देशवाल, नमामि गंगे के नोडल अधिकारी कीर्तिराम डंगवाल, डॉ. आर.सी. भट्ट, डॉ. कविता पाठक, डॉ. भरत बैरवाण, डॉ. कमल किशोर द्विवेदी, डॉ. नेतराम, डॉ. रवींद्र कुमार, डॉ. स्वाति सुंदरियाल, डॉ. शालिनी सैनी, डॉ. मदन शर्मा, डॉ. देवकी नंदन, डॉ. तरुण कुमार और डॉ. पूजा भट्ट सहित सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

रैली एवं भाषण सभा ने महाविद्यालय में देशभक्ति का माहौल बना दिया। विद्यार्थियों के जोश और अनुशासन ने इस कार्यक्रम को और भी विशेष बना दिया। तिरंगा रैली ने यह संदेश दिया कि राष्ट्रीय ध्वज केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आशा, गर्व और एकता का प्रतिनिधित्व करता है। महाविद्यालय परिवार ने इस आयोजन के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस के महत्त्व को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस आयोजन ने न केवल छात्रों में देशभक्ति की भावना को और गहराई से स्थापित किया, बल्कि स्थानीय समुदाय को भी राष्ट्र के प्रति एकजुट होकर योगदान देने के लिए प्रेरित किया। “हर घर तिरंगा, हर घाट तिरंगा” रैली ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या को एक ऐतिहासिक और अविस्मरणीय क्षण में परिवर्तित कर दिया।

महाविद्यालय में 79वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया

15 अगस्त, 2025

महाविद्यालय में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। प्रात:कालीन ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जहाँ प्राचार्य प्रो. अखिलेश कुकरेती ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सभी उपस्थित जनों ने राष्ट्रगान गाकर मातृभूमि को नमन किया। इसके उपरांत एनसीसी कैडेट्स ने आकर्षक परेड का आयोजन किया और प्राचार्य महोदय को सलामी दी। इस अवसर पर डॉ. हरीश रतूड़ी ने उच्च शिक्षा निदेशक का स्वतंत्रता दिवस संदेश उपस्थित जनसमूह को सुनाया।

समारोह में देशभक्ति की भावना को और प्रबल करते हुए एनसीसी एवं एनएसएस कैडेट्स ने गीत, नृत्य, भाषण और एकल गीत की भावपूर्ण प्रस्तुतियाँ दीं। छात्र-छात्राओं की प्रस्तुतियों ने स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान को सजीव कर दिया और वातावरण को राष्ट्रप्रेम की भावना से भर दिया। कार्यक्रम के दौरान प्राध्यापकों डॉ. मावीरेंद्र सिंह, डॉ. हरीश रतूड़ी, डॉ. मदन शर्मा और श्री कीर्तिराम ने अपने विचार व्यक्त करते हुए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान को याद किया तथा विद्यार्थियों से राष्ट्रहित में निष्ठा और जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। इसी क्रम में डॉ. मृगांक मलासी ने अपनी देशभक्ति कविता प्रस्तुत की, जिसने सभी को भाव-विभोर कर दिया।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को भी इस अवसर पर पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने 'शौर्य दीवार' पर पुष्प अर्पित कर वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी। पूरे कार्यक्रम का संचालन डॉ. हरीश रतूड़ी ने कुशलतापूर्वक किया। समापन अवसर पर प्राचार्य प्रो. अखिलेश कुकरेती ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों, प्राध्यापकों और स्टाफ को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता हमारे पूर्वजों के बलिदान का परिणाम है और इसे सहेजकर रखना तथा राष्ट्रहित में योगदान देना हम सबका दायित्व है। कर्णप्रयाग महाविद्यालय का यह स्वतंत्रता दिवस समारोह केवल औपचारिक आयोजन न रहकर विद्यार्थियों और उपस्थित जनों में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना जगाने का माध्यम बना। इस अवसर ने यह संदेश दिया कि स्वतंत्रता केवल उत्सव का पर्व नहीं, बल्कि कर्तव्यों के निर्वहन का संकल्प दिवस है।

महाविद्यालय के कला संकाय में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए आयोजित हुआ अभिविन्यास कार्यक्रम

19 अगस्त 2025

महाविद्यालय में दिनाँक 19 अगस्त 2025 को बी. ए. प्रथम सेमेस्टर में नव प्रवेशित छात्र छात्राओं हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ आर सी भट्ट द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम महाविद्यालय के समर्थ नोडल अधिकारी डॉ मदन शर्मा द्वारा विद्यार्थियों को उनकी student life cycle से सम्बन्धित समस्त जानकारियां उपलब्ध कराई गई, साथ ही उनकी ABC आई डी से सम्बन्धित जानकारी भी दी गई। तत्पश्चात भूगोल विभाग के प्राध्यापक डॉ भालचंद सिंह नेगी द्वारा नव प्रवेशित छात्र छात्राओं का स्वागत करते हुए भूगोल विषय कि महत्ता पर प्रकाश डाला तत्पश्चात महाविद्यालय के एन सी सी प्रभारी डॉ नरेंद्र पंघाल द्वारा छात्र छात्राओं को एन सी सी की महत्ता से अवगत कराते हुए उसमें प्रवेश से सम्बन्धित जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ अखिलेश कुकरेती ने विद्यार्थियों को अपना आशीर्वचन दिया। कार्यक्रम में बी ए प्रथम सेमेस्टर प्रवेश समिति के सदस्य श्रीमती पूनम, डॉ मृगांक मलासी, डॉ शालिनी, डॉ चंद्रमोहन जानस्वाण एवं इतिहास विभाग की प्राध्यापिका श्रीमती स्वाति सुन्दरियाल उपस्थित रहे।

उच्च शिक्षा आपके द्वार: महाविद्यालय में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रचार-प्रसार कार्यक्रम

19 अगस्त 2025

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी द्वारा राज्य में उच्च शिक्षा के प्रचार-प्रसार को लेकर महाविद्यालय में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए जाने वाले विभिन्न कौशल और रोजगारपरक पाठ्यक्रमों से परिचित कराना था, ताकि वे अपने भविष्य को सशक्त बना सकें। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना से हुआ, जिसके बाद महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. अखिलेश कुकरेती और उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. आर.सी. भट्ट ने छात्रों और शिक्षकों को संबोधित किया। कार्यक्रम में नव निर्वाचित ग्राम प्रधान सेमी ग्वाड काजल, सामाजिक कार्यकर्ता सुरज कुमार, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष तेजेन्द्र रावत, और महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापकगण सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस दौरान छात्रों को विश्वविद्यालय द्वारा संचालित स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों, डिप्लोमा, और सर्टिफिकेट कोर्सों के बारे में जानकारी दी गई। इसके साथ ही, दूरस्थ शिक्षा के लाभ को समझाते हुए छात्रों से विश्वविद्यालय से जुड़ने की अपील की गई।............. शेष पृष्ठ सं.......... 5 पर

पृष्ठ सं 4 का शेष............... उच्च शिक्षा आपके द्वार...........

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की सहायक क्षेत्रीय निदेशक प्रियंका लोहनी, डॉ. लता जोशी, डॉ. मनोज पांडेय, विकास जोशी, सुश्री ऋतंभरा, संतोष ढोंडियाल, उमेश पुरोहित, आर.के. पुरोहित और गबर सिंह ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज की। इस कार्यक्रम के आयोजन से यह स्पष्ट हो गया कि उच्च शिक्षा की दिशा में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय छात्रों को अवसर प्रदान करने के लिए तत्पर है, ताकि वे बेहतर भविष्य की ओर कदम बढ़ा सकें।

महाविद्यालय में एनसीसी कैडेटों ने मनाया राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस
भारत की अंतरिक्ष यात्रा के इतिहास पर विशेष व्याख्यान श्रृंखला

23 अगस्त 2025

महाविद्यालय के एनसीसी कैडेटों ने 23 अगस्त को दूसरे राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में चंद्रयान-3 की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर ऐतिहासिक सॉफ्ट लैंडिंग की वर्षगांठ मनाई। इस अवसर पर, 13 एसडी प्लाटून एनसीसी सब यूनिट ने भारत के अंतरिक्ष अन्वेषण में बढ़ती प्रतिष्ठा और सफलता को चिह्नित करने के लिए एक विशेष व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रभारी प्राचार्य डॉ. अखिलेश कुकरेती द्वारा किया गया। उन्होंने इसरो के वैज्ञानिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और छात्रों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर, डॉ. एम. एल. शर्मा ने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रमों की विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि कैसे इसरो ने उपग्रह प्रक्षेपण में वैश्विक स्तर पर अपनी भूमिका को बढ़ाया है। उन्होंने 2035 तक प्रस्तावित भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन और भारत की बढ़ती व्यावसायिक भूमिका पर भी प्रकाश डाला। डॉ. इंद्रेश पांडे ने भारत के खगोलीय ज्ञान की प्राचीन धारा पर चर्चा करते हुए आर्यभट्ट की सूर्यकेंद्रित अवधारणा को याद किया, जो कोपरनिकस से भी पहले थी। उन्होंने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग, जैसे सुदूर संवेदन, जीआईएस, मौसम पूर्वानुमान, कृषि और रक्षा, पर विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. नरेंद्र पंघाल ने भारत की हालिया अंतरिक्ष उपलब्धियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया, जिनमें ऑपरेशन सिंदूर, मंगलयान, आदित्य एल1 सौर वेधशाला, और भारत के भविष्य के मिशन जैसे गगनयान, चंद्रयान-4 और 5, शुक्रयान, मंगलयान-2 और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की योजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने 2040 तक चंद्रमा पर एक भारतीय को उतारने की योजना का भी उल्लेख किया। इस कार्यक्रम का संचालन सार्जेंट अंशुल ने किया। कैडेटों ने एसयूओ अनुज के मार्गदर्शन में सक्रिय रूप से भाग लिया और भारत की अंतरिक्ष यात्रा पर अपने विचार साझा किए। इस कार्यक्रम ने भारत के अंतरिक्ष अन्वेषण के प्राचीन ज्ञान और आधुनिक उपलब्धियों को एक साथ लाकर छात्रों को वैज्ञानिक प्रयासों में योगदान करने के लिए प्रेरित किया। इस समारोह में डॉ. कमल किशोर द्विवेदी और डॉ. पूजा भट्ट सहित कई प्राध्यापकों की उपस्थिति रही, जिन्होंने कैडेटों की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना की।

भूगोल विभाग के तत्वावधान में प्रथम बुग्याल संरक्षण दिवस पर विचार गोष्ठी का आयोजन

02 सितंबर, 2025

प्रथम बुग्याल संरक्षण दिवस के अवसर पर भूगोल विभाग के तत्वावधान में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशेषज्ञों ने हिमालयी पारिस्थितिकी, आपदा प्रबंधन, जैव विविधता और सांस्कृतिक धरोहर के संदर्भ में बुग्यालों की महत्ता पर विस्तार से विचार रखे। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. अखिलेश कुकरेती ने किया। उन्होंने बुग्यालों को हिमालय की जीवनदायिनी भूमि बताते हुए इनके संरक्षण हेतु सामूहिक जागरूकता की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्य वक्ता एवं भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. आर.सी. भट्ट ने अपने संबोधन में कहा कि बुग्याल केवल सुंदर चारागाह ही नहीं, बल्कि आपदा न्यूनीकरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, "हिमालय में बार-बार आने वाली प्राकृतिक आपदाओं को रोकने के लिए बुग्यालों सहित अन्य पर्यावरणीय घटकों का संरक्षण अत्यावश्यक है। वनस्पति विज्ञान विभाग के डॉ. इंद्रेश पाण्डेय ने बुग्यालों के वैज्ञानिक, परिस्थितिकीय और सांस्कृतिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बुग्यालों में पाई जाने वाली विशिष्ट वनस्पतियाँ न केवल जैव विविधता का प्रतीक हैं, बल्कि स्थानीय संस्कृति, आस्था और परंपराओं से भी गहराई से जुड़ी हुई हैं। इस अवसर पर डॉ. बी.सी.एस. नेगी, डॉ. नेहा तिवारी, डॉ. नरेंद्र पंघाल सहित महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में यह संकल्प लिया कि हिमालयी पारिस्थितिकी की अमूल्य धरोहर बुग्यालों के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

महाविद्यालय नवनियुक्त प्राचार्य प्रो. राम अवतार सिंह ने संभाला कार्यभार

08 सितंबर, 2025

महाविद्यालय में राजकीय महाविद्यालय चुड़ियाला से प्रोन्नत होकर आये प्राचार्य डॉ. राम अवतार सिंह ने सोमवार को कार्यभार ग्रहण किया। महाविद्यालय पहुंचने पर प्रभारी प्राचार्य डॉ. अखिलेश कुकरेती एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एम. एस. कण्डारी, डॉ. आर. सी. भट्ट , डॉ. बी. सी. एस. नेगी, डा. राधा रावत, डॉ. कविता पाठक, डॉ. एच. सी. रतूडी, डॉ. नेतराम, डॉ.मृगांक मलासी,वैयक्तिक अधिकारी एस. एल. मुनियाल, जे.एस. रावत, अंशुमान चौहान, मुकेश कंडारी, रवींद्र झिंकवाण सहित समस्त प्राध्यापक एवं कर्मचारियों ने पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। छात्र संघ अध्यक्ष प्रीतम सिंह, अंशुल रावत, यश खण्डूडी सहित समस्त छात्र एवं छात्राओ ने भी प्राचार्य को पुष्प गुच्छ भेंट कर किया। प्राचार्य प्रो.(डॉ.) राम अवतार सिंह ने कहा कि महाविद्यालय में पठन-पाठन के लिए उचित माहौल बनाना एवं प्रत्येक छात्र एवं छात्रा को अनिवार्य रूप से अपनी कक्षाओं में 75 प्रतिशत उपस्थित रहना अनिवार्य होगा। साथ महाविद्यालय की समस्याओं के समाधान एवं एन.ई.पी. के तहत छात्र-छात्राओं को पुस्तकालय में पुस्तकें उपलब्ध कराना एवं इसी माह में होने वाले छात्र संघ चुनाव को शान्तिपूर्वक ढंग सम्पन्न कराने के लिए सभी को सहयोग करने के लिए कहा। साथ ही समस्त प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर सभी का परिचय प्राप्त किया और कहा कि सभी प्राध्यापक एवं कर्मचारी समयबद्ध ढंग एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करें। समय से महाविद्यालय मे उपस्थित होकर अपने दायित्व का निर्वहन करने को कहा। कहा कि महाविद्यालय से सम्बन्धित जो भी समस्याएं होंगी, उनका समाधान शासन एवं प्रशासन स्तर किया जायेगा।

महाविद्यालय में ली गयी हिमालय संरक्षण की शपथ

09 सितंबर, 2025

महाविद्यालय में हिमालय दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राम अवतार सिंह ने महाविद्यालय के प्राध्यापकों कर्मचारियों और छात्र एवं छात्राओं को हिमालय संरक्षण की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि हिमालय केवल पर्वत श्रृंखला नहीं, बल्कि भारत की संस्कृति, आस्था और जीवन का आधार है। यहां से निकलने वाली प्राणदायिनी नदियां ,वन्य जीव, वृक्ष- वनस्पतियां और दुर्लभ जड़ी – बूटियां हमारे जीवन और सम्पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अमूल्य धरोहर है। इन सबकी सुरक्षा हम सबका कर्तव्य और दायित्व है। हमें स्वयं भी जागरूक होना है और अपने चारों ओर के लोगों को भी पर्यावरण में होने वाली समस्याओं के सम्बन्ध में जागरूक करना है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. आर. सी. भट्ट ने बताया कि इस वर्ष हिमालय दिवस की आधिकारिक थीम घोषित नहीं की गयी है, लेकिन उत्तराखंड में इस वर्ष "हिमालय की आपदाएं" के तहत कार्यक्रम आयोजित हुए हैं। उत्तराखंड में आयी प्राकृतिक आपदाएं जलवायु परिवर्तन से सम्बन्धित हैं। आज हिमालय क्षेत्र में आ रही प्राकृतिक आपदाओं के पीछे जो तर्क दिए जा रहे हैं, हमें उन्हें समझना होगा और हिमालय पारिस्थितिकी तंत्र के अनुरूप अपने कार्यक्रमों को आगे बढाना होगा। कार्यक्रम में डॉ.अखिलेश कुकरेती, डॉ. एम.एस. कंडारी, डॉ.बी.सी.एस. नेगी, डॉ. राधा रावत, डॉ. चन्द्रावती टम्टा, डॉ. कविता पाठक, डॉ. इन्द्रेश कुमार पाण्डेय, डॉ. रूपेश कुमार श्रीवास्तव, कमलेश चन्द्र लोहनी, डॉ.एच.सी. रतूड़ी, डॉ. रविन्द्र कुमार, डॉ. एम. एल. शर्मा, डॉ. भरत लाल बैंरवाण, डॉ. कीर्तिराम डंगवाल, डॉ. हरीश बहुगुणा, डॉ. दिशा शर्मा सहित समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने हिमालय संरक्षण की शपथ ली।

पंडित गोविंद बल्लभ पंत की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को उनके आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान

10 सितंबर, 2025

महाविद्यालय में पंडित गोविंद बल्लभ पंत की 138वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस विशेष अवसर पर महाविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राम अवतार सिंह द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इसके बाद निबंध एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें महाविद्यालय के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता में कुल 10 छात्र-छात्राओं ने अपनी भागीदारी दर्ज की, जबकि निबंध प्रतियोगिता में 26 छात्र-छात्राओं ने अपनी लेखनी का प्रदर्शन किया। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों में पंडित गोविंद बल्लभ पंत के विचारों और उनके योगदान के प्रति जागरूकता उत्पन्न की गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राम अवतार सिंह ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए पंडित गोविंद बल्लभ पंत के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने की बात कही। उन्होंने छात्रों से महाविद्यालय में अनुशासन बनाए रखने और कक्षाओं में नियमित रूप से उपस्थित रहने की अपील की। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि छात्र जीवन में कठिन परिश्रम और निष्ठा से सफलता हासिल की जा सकती है।

शेष पृष्ठ सं.......... 7 पर

पृष्ठ सं 4 का शेष...............**पंडित गोविंद बल्लभ पंत की जयंती पर**...........

कार्यक्रम का संचालन समिति की संयोजक डॉ. राधा रावत ने किया। इस अवसर पर समिति के सदस्य डॉ. चंद्रावती टम्टा, डॉ. इंद्रेश पाण्डेय, डॉ. हरीश रतूड़ी, डॉ. पूनम और डॉ. रविंद्र नेगी भी उपस्थित रहे। भाषण और निबंध प्रतियोगिताओं में निर्णायक मंडल के रूप में डॉ. वी. आर. अन्थवाल, डॉ. चंद्रावती टम्टा और डॉ. हिना नौटियाल ने अपनी भूमिका निभाई। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने पंडित गोविंद बल्लभ पंत के विचारों और योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम ने पंडित गोविंद बल्लभ पंत के जीवन और कार्यों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे उनके आदर्शों का अनुसरण करें और अपने जीवन में सफलता की ऊँचाइयों तक पहुँचें।

स्वच्छता पखवाड़े के तहत कर्णप्रयाग महाविद्यालय में जल स्रोतों की सफाई की शपथ

16 सितंबर, 2025

महाविद्यालय में नमामि गंगे और रेंजर रोवर्स के संयुक्त तत्वावधान में स्वच्छता कार्यक्रम के तहत स्वच्छता शपथ ली गई। 16 सितंबर 2025 को आयोजित इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राम अवतार सिंह ने सभी प्राध्यापक ,कर्मचारियों और छात्र छात्राओं को स्वच्छता की शपथ दिलाते हुए कहा कि हमें अपने आसपास नदी, नाले , गंगा में मिलने वाले गधेरे आदि को स्वच्छ रखना होगा तभी गंगा को एक स्वच्छ गंगा के रूप में हम अपने देश की राष्ट्रीय धरोहर के रूप में पाएंगे । इस अवसर पर नमामि गंगे की नोडल अधिकारी कीर्तिराम डंगवाल ने बताया कि 16 से 2 अक्टूबर तक के बीच स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया जाएगा जिसमें स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 18 सितंबर को पोस्टर प्रतियोगिता, 19 सितंबर को निबंध प्रतियोगिता, 23 सितंबर को भाषण प्रतियोगिता, 24 सितंबर को गंगा घाट की सफाई आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के रोवर्स रेंजर्स के नोडल अधिकारी डॉ हरीश रतूड़ी, डॉ. शीतल देशवाल,डॉ तरुण कुमार,डॉ पूजा भट्ट, डॉ.आर.सी. भट्ट, डॉ. मदन शर्मा, डॉ. कविता पाठक, डॉ. कमलेश लोहनी, डॉ बी सी एस नेगी, डॉ राधा रावत एवं अन्य प्राध्यापक , कर्मचारी उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में ओजोन दिवस पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम, ग्लोबल वार्मिंग और ओजोन परत के क्षरण पर चर्चा

16 सितंबर, 2025

महाविद्यालय में रेड क्रॉस इकाई द्वारा अंतर्राष्ट्रीय ओजोन दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राम अवतार सिंह ने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए ओजोन परत के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि “मानवता की सेवा” एक वैश्विक समस्या बन चुकी है, और वर्तमान में ग्लोबल वार्मिंग और ओजोन परत का क्षरण पृथ्वी और मानवता के लिए एक गंभीर चुनौती है। प्रो. सिंह ने कहा कि हमें सतत विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से इस समस्या का समाधान खोजना होगा। इस वर्ष ओजोन दिवस की थीम “विज्ञान से वैश्विक कार्यवाही तक” इसे और भी महत्वपूर्ण बनाती है, क्योंकि यह हमें वैश्विक स्तर पर मिलकर काम करने की आवश्यकता का अहसास कराती है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, रसायन विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. कमलेश चंद्र लोहनी ने ओजोन गैस और ओजोन परत के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने ओजोन परत के क्षरण और उसके दुष्प्रभावों पर भी चर्चा की, और विद्यार्थियों को बताया कि यह हमारी पृथ्वी के जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। रेड क्रॉस के प्रभारी डॉ. कीर्तिराम डंगवाल ने स्वयंसेवियों को ओजोन परत के क्षरण के कारणों और इसके प्रभावों के बारे में बताया और रेड क्रॉस की स्थापना और इसके उद्देश्यों से भी अवगत कराया। रेड क्रॉस की स्वयंसेवी छात्रा सलोनी ने ओजोन गैस की भूमिका पर अपने विचार साझा किए और बताया कि यह गैस न केवल मनुष्य, बल्कि सभी जीवों के लिए अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में डॉ. मदन लाल शर्मा ने ओजोन परत के क्षरण को वर्तमान विश्व राजनीति का प्रमुख मुद्दा बताया और यह कहा कि इसका समाधान केवल संयुक्त प्रयासों से संभव है। इस अवसर पर डॉ. कविता पाठक, डॉ. हरीश रतूड़ी, डॉ. नेतराम तथा रेड क्रॉस के अन्य स्वयंसेवी छात्र-छात्राएं भी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर ओजोन परत के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने की शपथ ली और इसे अपने जीवन में लागू करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना पैदा की, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सके।

स्वच्छता पखवाड़े के तहत महाविद्यालय में रोवर एवं रेंजर यूनिट का स्वच्छोत्सव अभियान

17 सितंबर, 2025

उत्तराखंड शासन द्वारा "स्वच्छता ही सेवा – 2025 के तहत और भारत स्काउट एवं गाइड उत्तराखंड के दिशा-निर्देशों के पालन में महाविद्यालय में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के दृष्टिकोण को जन-जन तक पहुंचाना है। कालेज के रोवर एवं रेंजर यूनिट द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का तीसरा दिन विशेष स्वच्छता अभियान के रूप में मनाया गया, जिसमें कालेज के छात्रों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। अभियान में रोवर आदित्य, आयुष, सोनू, दिव्यांशु, प्रियांशु और रेंजर जिया, मलिका, अंजलि, नेहा सहित अन्य विद्यार्थियों ने कॉलेज परिसर की सफाई की और परिसर को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। स्वच्छता अभियान का उद्घाटन प्राचार्य प्रो. राम अवतार सिंह ने किया, जिन्होंने अपने संबोधन में महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के सपने का जिक्र करते हुए कहा कि, "स्वच्छता केवल राजनैतिक आजादी का हिस्सा नहीं, बल्कि एक विकसित देश की बुनियाद है।" उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने को अपनी जिम्मेदारी समझें। रोवर सह लीडर डॉ. तरुण कुमार आर्य, रेंजर लीडर डॉ. शीतल देशवाल और रेंजर सह लीडर डॉ. पूजा भट्ट ने भी स्वच्छता पखवाड़े के महत्व पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों से इस अभियान में सहभागिता की अपील की। स्वच्छता अभियान के दौरान कालेज परिसर को साफ और स्वच्छ रखने के प्रयासों की सराहना की गई, और यह सुनिश्चित किया गया कि यह पहल छात्रों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करे।

एनसीसी इकाई द्वारा विशेष कार्यक्रम का आयोजन: अंडर-ऑफिसर अंशु सम्मानित, नए कैडेट्स के लिए फ्रेशर्स पार्टी आयोजित

18 सितंबर, 2025

महाविद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) इकाई ने एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें अंडर-ऑफिसर अंशु को सम्मानित किया गया और नवनियुक्त कैडेट्स के लिए फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एनसीसी के महत्व को उजागर करते हुए छात्रों में जोश और उत्साह का संचार करने में सफल रहा। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राम अवतार सिंह के उद्घाटन भाषण से हुई। उन्होंने एनसीसी द्वारा छात्रों को प्रदान किए गए अपार अवसरों पर प्रकाश डाला और नए कैडेट्स को अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्रसेवा के महत्व को समझाया। उन्होंने सभी कैडेट्स से अपनी एनसीसी यात्रा का पूरा लाभ उठाने का आग्रह किया और उन्हें प्रेरित किया। कॉलेज के लिए गर्व का क्षण था अंडर-ऑफिसर अंशु का सम्मान, जिन्होंने 2 से 12 सितंबर 2025 तक दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय थल सैनिक शिविर (एआईटीएससी) में उत्तराखंड निदेशालय का प्रतिनिधित्व किया। यह शिविर गणतंत्र दिवस शिविर के बाद भारत का सबसे प्रतिष्ठित शिविर माना जाता है, और इसके लिए एक कठोर चयन प्रक्रिया की आवश्यकता होती है। अंशु ने इस कठिन प्रक्रिया को सफलता से पार करते हुए, शिविर में अपने अनुभवों को साझा किया, जिससे अन्य कैडेट्स को उच्चतम स्तर की उपलब्धियों के लिए प्रेरणा मिली। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही फ्रेशर्स पार्टी, जिसमें नए कैडेट्स ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और म्यूजिकल चेयर जैसे मनोरंजक खेलों का आनंद लिया। इस मौके पर कैडेट कुणाल को मिस्टर फ्रेशर और कैडेट कशिश को मिस फ्रेशर के रूप में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राम अवतार सिंह और एनसीसी प्रभारी नरेंद्र पंघाल द्वारा कैडेट्स के साथ समूह फोटो सत्र के साथ हुआ। यह कार्यक्रम कॉलेज के एनसीसी परिवार के लिए एक गौरवपूर्ण शुरुआत और प्रेरणा का स्रोत साबित हुआ। इस कार्यक्रम ने न केवल नए कैडेट्स को एनसीसी के महत्व के बारे में बताया, बल्कि छात्रों को राष्ट्रसेवा और अनुशासन की दिशा में कदम बढ़ाने के लिए भी प्रेरित किया।

नमामि गंगे के तत्वावधान में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

18 सितंबर, 2025

महाविद्यालय में नमामि गंगे स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के अंतर्गत आज महाविद्यालय में एक पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसका विषय था प्लास्टिक मुक्त भारत। इस विषय पर महाविद्यालय के विभिन्न छात्र-छात्राओं द्वारा पोस्टर बनाकर गंगा की स्वच्छता और पर्यावरण की स्वच्छता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर राम अवतार सिंह ने बताया की गंगा की स्वच्छता केवल भौतिक रूप से नहीं बल्कि मानसिक रूप से भी स्वस्थता प्रदान करती है। इस अवसर पर महाविद्यालय में नमामि गंगे के नोडल अधिकारी कीर्तिराम डंगवाल ने बताया कि आगामी 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के अंतर्गत महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताएं और कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इस अवसर पर डॉ. कविता पाठक, डॉ. शालिनी सैनी, डॉ. पूनम चौहान, डॉ. स्वाति सुन्दरियाल, डॉ. मदन लाल शर्मा, अन्य प्राध्यापक एवं छात्र छात्राएं मौजूद रहे। प्रतियोगिता में डॉ. रविन्द्र नेगी,डॉ. मदन शर्मा,डॉ. स्वाति सुन्दरियाल ने निर्णायक की भूमिका निभाई। इस प्रतियोगिता में राहुल मनराल बी.ए. प्रथम सेमेस्टर ने प्रथम स्थान, शालिनी मनराल बी. एस सी. तृतीय सेमेस्टर ने द्वितीय स्थान तथा संध्या रावत व लवली बिष्ट ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। मानसी बिष्ट को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

नामांकन प्रक्रिया के साथ चढ़ा छात्र संघ चुनाव 2025-26 का हुजूम

23 सितंबर, 2025

महाविद्यालय में दिनाँक 23 सितंबर 2025 को छात्र संघ चुनाव 2025-26 के लिए विभिन्न पदों पर प्रत्याशियों ने अपने-अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। नामांकन प्रक्रिया के दौरान छात्र-छात्राओं ने अपने-अपने प्रत्याशियों के लिए चुनाव प्रचार के साथ-साथ जुलूस निकाला। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राम अवतार सिंह ने बताया कि इस वर्ष छात्र संघ चुनाव प्रक्रिया श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के द्वारा जारी संविधान के अनुसार संपन्न कराई जा रही है महाविद्यालय में छात्र संघ के मुख्य चुनाव प्रभारी डॉ.बी.सी.एस. नेगी ने बताया कि आज 23 सितंबर 2025 को अपराह्न 3:00 बजे तक चुनाव नामांकन प्रक्रिया संपन्न की गई। नामांकन प्रक्रिया में अध्यक्ष पद पर दो, उपाध्यक्ष पद पर एक, सचिव पद दो, सहसचिव पद दो, कोषाध्यक्ष पद पर दो ,विश्वविद्यालय प्रतिनिधि पद पर एक ने अपना- अपना नामांकन पत्र भरा। महाविद्यालय में छात्र संघ चुनाव समिति द्वारा अलग-अलग समितियों के माध्यम से चुनाव प्रक्रिया संपन्न गई। महाविद्यालय की शांति व्यवस्था और शांतिपूर्ण मतदान प्रक्रिया को संपन्न करने के लिए शास्ता मंडल द्वारा समय-समय पर संपूर्ण महाविद्यालय परिसर में जांच पड़ताल के कार्य किए गए साथ ही समस्त नामांकन प्रक्रिया अलग-अलग समितियों के माध्यम से शान्तिपूर्ण सम्पन्न किए गए। छात्र संघ चुनाव 2025 -26 हेतु मतदान दिवस 27 सितंबर विश्वविद्यालय के संविधान द्वारा निर्धारित है। इस अवसर पर महाविद्यालय की चुनाव समिति के सदस्य डॉ कविता पाठक, डॉ पूनम, डॉ. नेहा तिवारी, डॉ. मदन शर्मा, डॉ स्वाति सुन्दरियाल, डॉ. कीर्तिराम डंगवाल, अन्य प्राध्यापक, कर्मचारी और अलग-अलग प्रत्याशियों के समर्थक, छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

महाविद्यालय में छात्र संघ चुनाव हेतु आम सभा का आयोजन, प्रत्याशियों ने रखे अपने विचार

25 सितंबर, 2025

महाविद्यालय में आगामी 27 सितंबर 2025 को होने वाले छात्र संघ चुनाव को देखते हुए आज महाविद्यालय प्रांगण में छात्र-छात्राओं की एक आम सभा आयोजित की गई। सभा में सभी प्रत्याशियों ने अपने-अपने वक्तव्य रखकर अपने आगामी महाविद्यालय विकास संबंधी बातों से मतदाताओं को आकर्षित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर राम अवतार सिंह ने छात्र छात्राओं को निर्देश देते हुए मतदान की शुचिता, पारदर्शिता और गोपनीयता पर ध्यान आकर्षित किया साथ ही समस्त महाविद्यालय प्रशासन एवं छात्र-छात्राओं को निर्देशित किया कि छात्र संघ चुनाव की प्रक्रिया में महाविद्यालय परिसर और परिसर के बाहर भी महाविद्यालय की गरिमा को बनाए रखें। महाविद्यालय में मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. भालचंद सिंह नेगी ने अपने संबोधन में बताया कि आगामी 27 सितंबर को महाविद्यालय में पांच अलग-अलग बूथों पर मतदान प्रक्रिया संपन्न की जाएगी जिसमें चार पदों पर (अध्यक्ष, सचिव, सहसचिव, और कोषाध्यक्ष) मतदान संपन्न किया जाएगा। मतदान का समय प्रातः 8:00 बजे से 1 बजे तक निर्धारित किया गया है। आमसभा में अध्यक्ष पद पर लक्ष्मण और राहुल सचिव पद पर अंकित और विशाल, सहसचिव पद पर चांदनी और रिया, कोषाध्यक्ष पद पर अनुराधा और पूजा ने अपने-अपने विचार रखें। इसके अलावा महाविद्यालय में निर्विरोध निर्वाचित उपाध्यक्ष आंचल थपलियाल और विश्वविद्यालय प्रतिनिधि सुनील सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये। मंच का संचालन डॉ. मदन शर्मा ने किया। आम सभा के पश्चात महाविद्यालय प्रांगण में छात्र-छात्राओं ने अपने-अपने समर्थकों के साथ जुलूस और नारेबाजी की। साथ ही पर्यवेक्षक के रूप में कर्णप्रयाग के उपजिलाधिकारी ने भी चुनाव प्रक्रिया की जानकारियों का संज्ञान लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रोफेसर भारती सिंगल, डॉ. मानवीरेंद्र कंडारी, डॉ. आर.सी. भट्ट, डॉ. वी. पी. भट्ट, डा. राधा रावत, डॉ. कविता पाठक, डॉ. चंद्रावती टम्टा ,अन्य प्राध्यापक,कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में कैंटीन सुविधा की विधिवत शुरुआत

25 सितंबर, 2025

महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं और कर्मचारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 25 सितंबर 2025 से कैंटीन सुविधा की औपचारिक शुरुआत की गई। लंबे समय से महाविद्यालय परिवार की यह मांग थी कि परिसर में एक नियमित कैंटीन की व्यवस्था हो, जिससे विद्यार्थियों को नाश्ता और भोजन की सुविधा समय पर मिल सके।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राम अवतार सिंह ने बताया कि छात्रों और कर्मचारियों की आवश्यकताओं को देखते हुए कैंटीन की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि कैंटीन में नाश्ता, चाय और भोजन उचित दरों पर उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए एक निर्धारित दर सूची (रेट-चार्ट) बनाई गई है, जिससे पारदर्शिता और निष्पक्षता बनी रहेगी। कैंटीन प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक महाविद्यालय के कार्य दिवस में खुली रहेगी। इससे विद्यार्थियों को बाहर जाने की आवश्यकता नहीं होगी और वे परिसर में ही स्वच्छ एवं पौष्टिक भोजन का लाभ उठा सकेंगे। कैंटीन संचालन की जिम्मेदारी संचालक को सौंपी गई है, जिसे स्वच्छता और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए हैं।

कैंटीन की शुरुआत से छात्र-छात्राओं में उत्साह देखा गया। उन्होंने महाविद्यालय प्रशासन का धन्यवाद करते हुए कहा कि इस सुविधा से समय की बचत होगी और बेहतर वातावरण में भोजन करने का अवसर मिलेगा। कर्मचारियों ने भी इस पहल का स्वागत किया और इसे एक उपयोगी कदम बताया।

इस प्रकार, कैंटीन सुविधा की शुरुआत महाविद्यालय परिसर में सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो छात्रों और कर्मचारियों दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी।

महाविद्यालय कर्णप्रयाग में छात्र संघ चुनाव 2025-26 संपन्न, लक्ष्मण सिंह बने अध्यक्ष

27 सितंबर, 2025

महाविद्यालय में छात्र संघ चुनाव 2025-26 प्रातः 8 बजे से प्रारम्भ हुआ। महाविद्यालय मे कुल 1646 छात्र- छात्रायें अध्ययनरत हैं। चुनाव के लिए पांच बूथ बनाये गये थे। जिसके लिए महाविद्यालय के प्राध्यापक एंव कर्मचारियों की पांच अलग- अलग पोलिंग पार्टी बनाई गई थी जिसमे 977 छात्र-छात्राओं ने अपने मत का प्रयोग कर नये छात्र संघ का गठन कर अपनी भागीदारी निभाई। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राम अवतार सिंह एंव चुनाव अधिकारी डॉ भाल चन्द सिंह नेगी एंव छात्र संघ निर्वाचन समिति के सदस्य डॉ कविता पाठक, डॉ कीर्तिराम डगवाल, डॉ एम एल शर्मा, डॉ नेहा तिवारी, डॉ पूनम, डॉ स्वाति सुन्दरियाल के दिशानिर्देशन मे बनायी गयी थी।

महाविद्यालय मे हुए छात्र संघ चुनाव मे अध्यक्ष, सचिव, सहसचिव, कोषाध्यक्ष पद के लिए चुनाव सम्पन्न हुए। उपाध्यक्ष पद पर मात्र एक प्रत्याशी ऑचल थपलियाल एंव विश्वविद्यालय प्रतिनिधि पद पर सुनील सिंह को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। अध्यक्ष पद पर लक्ष्मण सिंह को 537 मत पडे, राहुल को कुल 420 मत पडे। अध्यक्ष पद पर लक्ष्मण सिंह कुल 117 मतों विजयी घोषित किया। सचिव पद पर अंकित सिंह को कुल 507 एंव विशाल सिंह को कुल 426 मत प्राप्त हुए। सचिव पद पर अंकित सिंह को 81 मतों से विजयी घोषित किया गया। सहसचिव पद पर चॉदनी को कुल 554 मत मिले। रिया को कुल 376 मत मिले। सहसचिव पद पर चॉदनी को 178 मतों से विजयी घोषित किया गया। कोषाध्यक्ष पद पर अनुराधा को कुल 563 मत , पूजा को कुल 371 मत मिले। कोषाध्यक्ष पद अनुराधा को 192 मतो से विजयी घोषित किया गया। चुनाव परिणाम के बाद महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ) राम अवतार सिंह ने छात्र संघ निर्वाचन 2025-26 के विजयी प्रत्याशियों को पद एंव गोपनीयता की शपथ दिलाई। छात्र संघ को सम्बोधित करते हुए कहा कि नवनिर्वाचित छात्र संघ महाविद्यालय के उन्नयन विकास एंव महाविद्यालय की समस्याओं के समाधान करने मे अपना सकारात्मक सहयोग प्रदान करे। छात्र संघ निर्वाचन मे उपजिलाधिकारी कर्णप्रयाग श्री सोहन सिंह रागड़ एवं थानाध्यक्ष कर्णप्रयाग श्री राकेश चन्द भट्ट एंव पुलिस प्रशासन प्रातः 8 बजे से चुनाव परिणाम घोषित होने तक पुलिस फोर्स के साथ महाविद्यालय उपस्थित रहे। चुनाव सम्पन्न होने के बाद बाद मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ भाल चन्द्र सिंह नेगी ने समस्त प्राध्यापक कर्मचारियों एंव स्थानीय प्रशासन का धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया। छात्र संघ मे विजयी प्रत्याशियों को शुभकामनायें प्रेषित की। सभी विजयी प्रत्याशियो ने शपथ ग्रहण के बाद अपने समर्थकों के साथ महाविद्यालय से मुख्य बाजार तक विजयी रैली निकाली।

संरक्षक - प्रो. (डॉ.) राम अवतार सिंह (प्राचार्य)

संपादक मंडल

डॉ. मदन लाल शर्मा

श्रीमती स्वाति सुन्दरियाल

डॉ. वेणी राम अंथवाल